National Journal of
Hindi & Sanskrit Research

ISSN: 2454-9177
NJHSR 2026; 1(68): 09-14
© 2026 NJHSR
www.sanskritarticle.com

डॉ. विमल कुमार शुक्ल
असिस्टेंट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग,
श्री गौरी शंकर संस्कृत महाविद्यालय,
सुजानगंज, जौनपुर

Correspondence:
डॉ. विमल कुमार शुक्ल
असिस्टेंट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग,
श्री गौरी शंकर संस्कृत महाविद्यालय,
सुजानगंज, जौनपुर

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ. विमल कुमार शुक्ल

शोध सार (Abstract)

प्रस्तुत शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर के समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन के उद्देश्य में लिंग के आधार पर शिक्षण दक्षता की परिकल्पना में शून्य परिकल्पना का निर्माण कर परीक्षण किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। वर्तमान शोध हेतु शोधकर्ता ने जौनपुर जिले के अंतर्गत सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों को जनसंख्या के रूप में माना है। प्रस्तुत शोध के लिए जौनपुर जिले में संचालित सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन द्वारा चयन के पश्चात 250 पुरुष शिक्षकों का चयन लिंग के आधार पर किया गया है।

बी. के. पासी एवं एम. एस. ललिता निर्मित सामान्य शिक्षण दक्षता स्केल परीक्षण के शाब्दिक परीक्षण एवं डॉ. एस. के. मंगल द्वारा निर्मित समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए मान, मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी-अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए: प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के संस्थान के शैक्षिक और सामान्य वातावरण के साथ समायोजन, सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक समायोजन, व्यावसायिक सम्बन्ध समायोजन, व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन एवं वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि का उनके शिक्षण दक्षता पर सकारात्मक प्रभाव है। जबकि पुरुष शिक्षकों के व्यक्तिगत जीवन के प्रति समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर प्रभाव नहीं है।

मुख्य शब्द: प्राथमिक स्तर, पुरुष शिक्षक, समायोजन, शिक्षण दक्षता, प्रभाव।

1. परिचय (Introduction)

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन निर्वाह की प्रक्रिया में नित्य नवीन आवश्यकताओं का अनुभव करता है और उन्हें पूरा करने का प्रयास भी करता है। यदि आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है तो समायोजित व्यक्तित्व का विकास होता है, परन्तु इसके विपरीत यदि आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है तो व्यक्ति तनाव एवं हीनभावना का अनुभव करने लगता है। फलस्वरूप उसका व्यक्तित्व कुसमायोजित हो जाता है।

जीवन में सफलता का महत्वपूर्ण स्थान है, किन्तु यह सफलता व्यक्ति तभी प्राप्त कर सकता है, जबकि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उसने समायोजन स्थापित कर लिया हो। स्पष्ट है कि समायोजन सफलता एवं आनन्द का आधार है, इसलिए मानव जीवन का उद्देश्य प्रत्येक क्षेत्र में समायोजन स्थापित करना होना चाहिए। इसके लिए व्यक्ति को निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए।

2. साहित्य की समीक्षा (Literature Review)

सामान्यतः सर्वेक्षण का अभिप्राय किसी स्थिति के सम्बन्ध में नियोजित ढंग से अवलोकन करके सम्यक् जानकारी प्राप्त करना है। सर्वेक्षण एक व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक आधार है। प्रत्येक शिक्षा के क्षेत्र में शोधकर्ता को सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन करना कितना महत्त्वपूर्ण है, इस पर प्रकाश डालते हुये गुड, बार तथा स्केट्स ने इन शब्दों में उल्लेख किया है:

"एक कुशल चिकित्सक के लिए आवश्यक है कि वह अपने क्षेत्र में हो रही औषधि सम्बन्धी आधुनिकतम खोजों से परिचित होता रहे, उसी प्रकार शिक्षा के जिज्ञासु छात्र अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा शोधकर्ता के लिए भी उसी क्षेत्र से सम्बन्धित सूचनाओं एवं खोजों से परिचित होना आवश्यक है।"

वर्मा, माधव (2022) ने जिला बिजनौर के ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के कार्यक्षेत्र में समायोजन की स्थिति का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि शिक्षा केवल एक छात्र का शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक विकास नहीं करती अपितु यह एक शिक्षक का भी शारीरिक, मानसिक व चारित्रिक विकास करती है। इसके माध्यम से जीवन में फैले अंधियारे को बहुत ही सरल रूप से निकाला जा सकता है, क्योंकि यह मस्तिष्क में उन भावों का विकास करती है, जिसके माध्यम से सही एवं गलत की पहचान मनुष्य अपने जीवन में कर पाने में समर्थ होता है। यह प्रपत्र एक शिक्षक के समायोजन की स्थिति को दर्शाता है कि किस प्रकार शिक्षा, शिक्षक के एक बेहतर समायोजन पर अपना प्रभाव छोड़ती है और उसका कुसमायोजन से बचाव करती है, जिससे वह छात्रों को भली प्रकार से शिक्षा प्रदान कर सके एवं समायोजन का भाग बना रहे।

सिंह, सत्येंद्र पाल (2022) ने प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन एवं निष्ठा कार्यक्रम के प्रति शिक्षक के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि शिक्षकों का समायोजन लिंग के आधार पर, स्थानीयता के आधार पर, निष्ठा कार्यक्रम के प्रति उनकी अभिवृत्ति के आधार पर करने से उनमें किसी भी प्रकार का कोई अंतर देखने को नहीं मिला। शिक्षक किसी भी स्थान, लिंग, या अभिवृत्ति से सम्बन्ध रखता हो वह अपने शिक्षक होने का दायित्व पूर्ण रूप से निभाता है।

अध्ययन का उदेश्य : समस्या कथन - प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के समयजों का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन का उद्देश्य निम्नलिखित है **-**

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के समयजों का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना है ।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के संस्थान के शैक्षिक और सामान्य वातावरण का समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना ।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना ।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों व्यावसायिक सम्बन्ध के प्रति समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के व्यक्तिगत जीवन के प्रति समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन परिकल्पनाएं : शून्य परिकल्पनाओ का परीक्षण उदेश्य के आधार पर किया गया है-

संस्थान के शैक्षिक और सामान्य वातावरण के साथ समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

व्यावसायिक सम्बन्ध समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

अध्ययन विधि - प्रस्तुत अध्ययन में प्रयोगात्मक शोध के अंतर्गत वर्णनात्मक अनुसन्धान की कार्योत्तर अनुसन्धान विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या - वर्तमान शोध हेतु शोधकर्ता ने जौनपुर जिले के अंतर्गत सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत पुरुष शिक्षकों को जनसंख्या के रूप में माना गया है।

न्यादर्श - प्रस्तुत शोध के लिए जौनपुर जिले के अंतर्गत सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि के द्वारा चयन के पश्चात 250 पुरुष शिक्षकों का चयन लिंग के आधार पर किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण -

शिक्षक समायोजन मापनी इस मापनी का निर्माण डॉ एस० के० मंगल द्वारा निर्मित शिक्षक समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है जो समायोजन के निम्नलिखित बीमाओ से संबंधित है -

1. संस्थान के शैक्षिक और सामान्य वातावरण के साथ समायोजन
2. सामाजिक मनोवैजानिक शारीरिक समायोजन
3. व्यावसायिक सम्बन्ध समायोजन
4. व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन
5. वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुस्टि

शिक्षण दक्षता -

वी० के० पासी एवं एम० एस० ललिथा निर्मित सामान्य शिक्षण दक्षता स्केल (GTCS) परीक्षण एक शाब्दिक परीक्षण है।

3. शोध पद्धति (Research Methodology)

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए प्रसरण विधि (एफ-अनुपात) एवम टी- अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

4. प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणाम (Data Analysis and Findings)

अध्ययन में पुरुष शिक्षकों के समायोजन को श्रेष्ठ (Q3), सामान्य (Q2) एवं न्यून (Q1) तीन भागों में बाँट कर शिक्षण दक्षता पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति समायोजन

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q3	92 and above	Good	65	25.60%
2-	Q2	73-91	Average	121	48.40%
3-	Q1	74 and below	Poor	64	26.00%

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (48.40%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.1

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	5109.10	2554.55		
Within Groups	247	83188.94	336.80	7.58*	.01(2,247)=**4.71**
Total	249	88298.04	2891.35		

0.01 पर सार्थक

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान 7.58 है जो 0.01 (df=2,247) स्तर पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.71 से अधिक, अर्थात् शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अतः संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अन्तर है।

सारणी सं० 4.1.1

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के प्राप्तांकों की एल.एस.डी. परीक्षण के परिणाम

Group	N	M	Difference of group	M1~M2
High	64	90.39	1-2	10.34*
Average	121	80.05	1-3	10.39*
Low	65	80.00	2-3	0.05

*0.01 पर सार्थक

संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान क्रमशः 90.39, 80.05 एवं 80.00 है। सार्थक युग्म तुलना पर संस्थान के शैक्षणिक और सामान्य वातावरण के प्रति श्रेष्ठ समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों की तुलना में उच्च है जबकि सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों में समान शिक्षण दक्षता है।

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति समायोजन

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q_3	121 and above	Good	58	23.20%
2-	Q_2	102-120	Average	129	51.60%
3-	Q_1	103 and below	Poor	63	25.20%

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (51.60%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.2

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	8042.94	4021.47		
Within Groups	247	80255.10	324.92	12.38*	.01(2,247)=**4.71**
Total	249	88298.04	4346.39		

0.01 पर सार्थक

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान 12.38 है जो 0.01 (df=2,247) स्तर पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.71 से अधिक, अर्थात् शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अतः सामाजिक- मनोवैज्ञानिक- शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अन्तर है।

सारणी सं० 4.2.1

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून

समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के प्राप्तांकों की एल.एस.डी. परीक्षण के परिणाम

Group	N	M	Difference of group	M1~M2
High	58	92.86	1-2	12.51*
Average	129	80.36	1-3	14.78*
Low	63	78.08	2-3	2.28

**0.01 पर सार्थक*

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान क्रमशः 92.86, 80.36 एवं 78.08 है। सार्थक युग्म तुलना पर सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति श्रेष्ठ समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों की तुलना में उच्च है जबकि सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों में समान शिक्षण दक्षता है।

व्यावसायिक संबंध के प्रति समायोजन

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q3	84 and above	Good	69	27.60%
2-	Q2	73-83	Average	108	43.20%
3-	Q1	72 and below	Poor	73	29.20%

व्यावसायिक संबंध के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (43.20%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.3

व्यावसायिक संबंध के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	4167.83	2083.91		
Within Groups	247	84130.21	340.61	6.12*	.01(2,247)=4.71
Total	249	88298.04	2424.52		

0.01 पर सार्थक

व्यावसायिक संबंध के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान 6.12 है जो 0.01 (df=2,247) स्तर पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.71 से अधिक, अर्थात् शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अतः व्यावसायिक संबंध के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अन्तर है।

सारणी सं० 4.3.1

व्यावसायिक संबंध के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर को दर्शाते एल.एस.डी. परीक्षण के परिणाम

Group	N	M	Difference of group	M1~M2
High	69	88.30	1-2	5.68*
Average	108	82.62	1-3	10.84*
Low	73	77.47	2-3	5.15*

**0.01 पर सार्थक*

व्यावसायिक सबध क प्रात श्रेष्ठ, सामान्य एव न्यून समायाजन वाल पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान क्रमशः 88.30, 82.62 एवं 77.47 है। सार्थक युग्म तुलना पर व्यावसायिक संबंध के प्रति श्रेष्ठ समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों की तुलना में उच्च है जबकि सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों में भिन्न शिक्षण दक्षता है।

व्यक्तिगत जीवन के प्रति समायोजन

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q3	115 and above	Good	70	28.00%
2-	Q2	102-114	Average	111	44.40%
3-	Q1	101 and below	Poor	69	27.60%

व्यक्तिगत जीवन के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (44.40%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.4

व्यक्तिगत जीवन के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	200.78	100.39		
Within Groups	247	88097.25	356.67	0.28	.01(2,247)=4.71
Total	249	88298.04	457.06		

0.01 पर असार्थक

जीवन के प्रति श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में भिन्नता नहीं है।

वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q_3	77 and above	Good	63	25.20%
2-	Q_2	57-76	Average	121	48.40%
3-	Q_1	56 and below	Poor	66	26.40%

औसत वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षक (48.40%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.5

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	4978.73	2489.36		
Within Groups	247	83319.31	337.33	7.38*	.01(2,247)=**4.71**
Total	249	88298.04	2826.69		

0.01 पर सार्थक

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान 7.38 है जो 0.01 (df=2,247) स्तर पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.71 से अधिक, अर्थात् शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अतः श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अन्तर है।

सारणी सं० 4.5.1

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर को दर्शाते एल.एस.डी. परीक्षण के परिणाम

Group	N	M	Difference of group	M1~M2
High	63	89.08	1-2	6.43*
Average	121	82.64	1-3	12.43*
Low	66	76.65	2-3	5.99*

0.01 पर सार्थक

82.64 एवं 76.65 है। सार्थक युग्म तुलना पर श्रेष्ठ वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों की तुलना में उच्च है जबकि सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों में असमान शिक्षण दक्षता है।

समग्र समायोजन

Sr.No.	Quartiles	Score Range	Level of Adjustment	No. of Male Teacher	%age
1-	Q_3	476 and above	Good	63	25.20%
2-	Q_2	423-476	Average	124	49.60%
3-	Q_1	424 and below	Poor	63	25.20%

औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (49.60%) अधिक पाये गये।

सारणी सं० 4.6

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समग्र समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	14100.01	7050.00		
Within Groups	247	74198.03	300.40	23.47*	.01(2,247)=**4.71**
Total	249	88298.04	7350.40		

0.01 पर सार्थक

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समग्र समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर का एफ-मान 23.47 है जो 0.01 (df=2,247) स्तर पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.71 से अधिक, अर्थात् शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अतः श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समग्र समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अन्तर है।

सारणी सं० 4.6.1

श्रेष्ठ, सामान्य एवं न्यून समग्र समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में अंतर को दर्शाते एल.एस.डी. परीक्षण के परिणाम

Group	N	M	Difference of group	M1~M2
High	63	94.92	1-2	14.35*
Average	124	80.57	1-3	20.32*
Low	63	74.60	2-3	5.97*

0.01 पर सार्थक

की शिक्षण दक्षता का मध्यमान क्रमशः 94.92, 80.57 एवं 74.60 है। सार्थक युग्म तुलना पर श्रेष्ठ समग्र समायोजन वाले पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का मध्यमान सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों की

तुलना में उच्च है जबकि सामान्य एवं न्यून वाले पुरुष शिक्षकों में असमान शिक्षण दक्षता है।

चर्चा एवं सुझाव (Discussion and Recommendations)

उपर्युक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के विभिन्न आयामों में समायोजन का उनकी शिक्षण दक्षता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

कार्यस्थल पर अनुकूल वातावरण का सृजन: शिक्षकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हेतु संस्थानों में सकारात्मक माहौल तैयार किया जाए।

वित्तीय और व्यावसायिक सहायता: शिक्षकों की वित्तीय संतुष्टि और व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने के लिए समय-समय पर परामर्श और कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाएं।

निष्कर्ष (Conclusion)

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन का निष्कर्ष-

- संस्थान के शैक्षणिक और स्कूल के परिवेश के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (48.40%) अधिक हैं।
- सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (51.60%) अधिक हैं।
- व्यावसायिक संबंध के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (43.30%) अधिक हैं।
- व्यक्तिगत जीवन के प्रति औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (44.40%) अधिक हैं।
- औसत वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि वाले पुरुष शिक्षक (48.40%) अधिक हैं।
- औसत समायोजन वाले पुरुष शिक्षक (49.60%) अधिक हैं।

प्राथमिक स्तर के पुरुष शिक्षकों के समायोजन एवं उसके अवयव संस्थान के शैक्षणिक और स्कूल के परिवेश समायोजन, सामाजिक-मनोवैज्ञानिक-शारीरिक समायोजन, व्यावसायिक संबंध समायोजन एवं वित्तीय समायोजन एवं नौकरी से संतुष्टि का उनके शिक्षण दक्षता पर सकारात्मक प्रभाव है जबकि पुरुष शिक्षकों के व्यक्तिगत जीवन के प्रति समायोजन का उनके शिक्षण दक्षता पर प्रभाव नहीं है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची (References)

कुमारी, गुंजन (2019). गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास में शिक्षकों की शिक्षण दक्षता की आवश्यकता का अध्ययन, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एकेडेमिक स्टडीज, t(2) पृ० 194-195

कुमारी, ललिखा, वाई. (2010). ए स्टडी ऑफ एडजेस्टमेन्ट, जॉब सेटिसफेक्शन एण्ड एडमिनिस्ट्रेटिव प्रॉब्लम्स ऑफ सेकेण्डरी स्कूल हेड मास्टर, शोध प्रबन्ध शिक्षाशास्त्र, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश ।

कपिल, एच०के० (1991). सांख्यिकी के मूल तत्व, आगरा : विनोद पुस्तक मन्दिर।

खान, सुहैल अहमद (2010). ए स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिटविन सेल्फ कन्सेप्ट एण्ड एडजेस्टमेन्ट ऑफ सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ औरंगाबाद सिटी, रिसर्च पेपर, आई-मैनेजर्स जनरल ऑफ एजूकेशनल साइकोलॉजी, वॉल्यूम-4, नं० 2, पृ० 39-42

गोरे, रश्मि एवं कटियार, भावना (2012). माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन, एशियन जर्नल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी, वॉ० 2, (1). पृ०127-136 ऑफ द टीचर्स वर्णिग